मैं आया हूँ शरण तेरी मुझे अब तुम संभालोगे

मैं आया हूँ शरण तेरी, मुझे अब तुम संभालोगे ।
न दुनिया जीने देती ही , मुझे अब तुम संभालोगे ॥

न शक्ति है मेरे तन में , न भक्ति है मेरे मन में ।
ओ बाबा भक्ति की ज्योति, बताओ कब जगाओगे ॥
मैं आया हूँ शरण तेरी...

मेरे न भाई बंधू हैं, न मेरा कोई हितकारी ।
प्रभु तर दास जायेगा, गले से जब लगाओगे ॥
मैं आया हूँ शरण तेरी...

तू मेरा है - हूँ मैं तेरा, मुझे अपना बना लो तूम ।
जपे तेरा नाम ये 'गौरी', प्रभु तुम कब बुलाओगे ॥
मैं आया हूँ शरण तेरी...

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33287/title/main-aaya-hun-sharan-teri-mujhe-ab-tum-sambhaloge

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |